

केरल के तटीय क्षेत्रों में लू की स्थिति

स्रोत: द द्रिष्टि

हाल ही में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने केरल के त्रशिर में 40°C और कोल्लम तथा पलक्कड़ जिलों में 39°C तक हीटवेव की चेतावनी जारी की थी।

- हीटवेव अत्यधिक गर्म मौसम की लंबी अवधि है जो मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।
 - भारत, एक उष्णकटिबंधीय देश होने के नाते, विशेष रूप से गर्मी की लहरों के प्रति संवेदनशील है।
- भारत में लू की घोषणा के लिए IMD मानदंड:
 - हीटवेव तब मानी जाती है जब किसी स्टेशन का अधिकतम तापमान मैदानी क्षेत्रों के लिये कम-से-कम 40°C और पहाड़ी क्षेत्रों हेतु कम-से-कम 30°C तक पहुँच जाता है।
 - तटीय स्टेशन का अधिकतम तापमान 37°C से अधिक या उसके बराबर होना चाहिये।
 - यदि किसी स्टेशन का सामान्य अधिकतम तापमान 40°C से कम या उसके बराबर है, तो सामान्य तापमान से 5°C से 6°C की वृद्धि को हीटवेव की स्थिति मानी जाती है।

Heat wave Scenario	40°C	30°C
Maximum Temperature	Plains	Hills
Heat wave conditions prevail when...	Severe heat wave conditions prevail when....	
Normal maximum temperature	Normal maximum temperature	Normal maximum temperature
Deviation from normal	Deviation from normal	Deviation from normal
Above	Above	Above
40°C	40°C	6°C or more
4-5°C or more		
At or below	At or below	At or below
40°C	40°C	7°C or more
5-6°C or more		

और पढ़ें: [हीट वेव्स और हीट डोम](#)